आर. सत्यनारायण

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता

संगीत एवं नृत्य की विधाओं में हमारे अग्रणी विद्वानों में से एक श्री आर. सत्यनारायण का जन्म 9 मई 1927 को मैसूर में हुआ था। व्यावसायिक रूप से रसायन–शास्त्र के अध्यापक (1949–84), आपने अपनी लेखनी तथा जनता से संवाद के माध्यम से संगीत एवं नृत्य के ज्ञान के प्रचार–प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। वह कलाकारों तथा विद्वानों के परिवार से सम्बद्ध हैं, और अपनी माताजी से व्यावहारिक संगीत सीखा। आपकी माता वरलक्ष्मी मैसूर कोर्ट के वीणा सुन्दर शास्त्री की शिष्या रही हैं।

व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ सम्मिश्रित प्राचीन तथा मध्यकालीन पाठ के उसके अध्ययन के माध्यम से, श्री सत्यनारायण ने न केवल संगीत तथा नृत्य के क्षेत्रों बहुत योगदान दिया है, अपितु शिक्षा, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, और सांस्कृतिक मानव–विज्ञान के क्षेत्र में भी योगदान दिया है। आपने संस्कृत ग्रंथों, इन विषयों पर मूल कार्यों के महत्वपूर्ण संस्करणों सहित नृत्य एवं संगीत पर सत्तर से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, और बहुत–से अनुवाद किए हैं तथा वृत्तांत लिखे हैं। उनके मूल कार्यों में शामिल हैं – *पुंडरीकमला, सुलादिस एंड उगाभोग्स ऑफ कर्नाटक म्यूजिक, द मेला ट्राएड ऑफ वेंकटमाखिन, भरतनाट्यः ए क्रिटिकल स्टडी,* और *श्रुतिः द स्कालिक फाउंडेशन*। उनके द्वारा संपादित ग्रंथों में शामिल हैं – *मुम्मादी चिक्काभुपाला का अभिनव भारत सारसंग्रह, वेंकटमाखिन, का शारङ्देव संगीतरत्नाकर, मुद्दुवेंकटमाखिन, का द राग लक्ष्णम और मातंग' का बृहद्देशी।* आपने *संगीतरत्नाकर, चतुरदांडी प्रकाशिका,* और कई अन्य कार्यों का कन्नड़ में अनुवाद भी किया है।

संगीत, नृत्य, दर्शनशास्त्र, योग, तंत्र, उपनिषद्ों तथा सम्बंधित विषयों पर एक सुप्रसिद्ध जन वक्ता, श्री सत्यनारायण ने कई अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों तथा उत्सवों में संगीतकारों तथा संगीतशास्त्रियों के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया है। वह भारत तथा विदेश में कई विद्वान संस्थानों से जुड़े हैं और वर्तमान में भारतीय संगीत कांग्रेस के अध्यक्ष हैं।

संगीत तथा नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए, श्री सत्यनारायण को कर्नाटक राज्य राज्योत्सव पुरस्कार, कर्नाटक संगीत नृत्य अकादेमी पुरस्कार, और इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, तथा मैसूर विश्वविद्यालय की मानद डी. लिट उपाधि से सम्मानित किया गया है। आपने 2008 में कलाओं की प्रस्तुति में विद्वत्ता के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार प्राप्त किया था और कर्नाटक सरकार द्वारा 2011 में राज्य संगीत विद्वान खिताब प्रदान किया गया है।

श्री आर. सत्यनारायण को भारतीय नृत्य एवं संगीत के अध्ययन में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी का रत्न सदस्य चुना जाता है।